न्यू मार्केट बस स्टैंड रोड में जलभराव से व्यापारी परेशान नाले के पुनर्निर्माण और टॉयलेट व्यवस्था की मांग की

मंडला, देशबन्धु। नगर के व्यस्ततम क्षेत्रों में शामिल बस स्टैंड रोड स्थित न्यू मार्केट इन दिनों गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। यहां की दुकानों के नीचे बने तलघर (गोदाम) में लगातार पानी भरने से व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तीन-तीन फुट तक भरे पानी के कारण जहां दुकानदारों का सामान खराब हो रहा है, वहीं व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस मार्केट में कुल 16 दुकानें हैं, जिनका निर्माण वर्ष 1982 में नगर पालिका मंडला द्वारा आमंत्रित विधिवत बंद लिफाफे की निविदा प्रक्रिया के माध्यम से कराया गया था। उच्चतम बोली लगाने वाले आवेदकों को क्रमश: दुकानें आवंटित की गई थीं। वर्ष 1985 में इन दुकानों एवं उनके नीचे बने तलघरों का अधिकार संबंधित दुकानदारों को सौंप दिया गया था, जो तब से

अब तक नियमित रूप से किराया भी जमा करते आ रहे हैं।

व्यापारियों के अनुसार, पिछले 10 से 15 वर्षों से दुकानों के पीछे बना नाला खराब गुणवत्ता का होने के कारण लगातार रिसता रहा है। वर्तमान में यह स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि नाले का पानी सीधे गोदामों में घुस रहा है। इस समस्या की जानकारी नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) गजानन नाफड़े को दी गई, जिस पर उन्होंने त्वरित संज्ञान लेते हुए मौके पर निरीक्षण किया और नगरपालिका की सफाई टीम को भेजकर नाले की सफाई करवाई।

सीएमओ गजानन नाफड़े ने बताया कि उनके द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया, दुकानदारों से चर्चा हुई, विशेष रूप से दवा व्यवसायियों से बात कर समस्याओं को समझा गया। नाले की सफाई कर दी गई है और जल निकासी अब ठीक से हो रही है। शीघ्र ही स्थायी समाधान की दिशा में कार्रवाई की जाएगी।

वहीं व्यापारियों ने नगर पालिका से यह भी मांग की है कि चूंकि मार्केट लगभग 40 साल पुराना हो चुका है, अत: नाले का पुनर्निर्माण पक्के रोड और कांक्रीट संरचना के रूप में किया जाए। साथ ही मार्केट में शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे दुकानदारों और ग्राहकों दोनों को सुविधा मिल सके। व्यापारियों का कहना है कि रात्रि में दुकानों के सामने बने कॉरिडोर में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे गंदगी फैलती है। यदि कॉरिडोर में शटर लगाने की अनुमति मिले और उसका निजी उपयोग न हो, तो यह समस्या भी दूर हो सकती है। पुराना निर्माण होने के कारण कई दुकानों की छतों और दीवारों में दरारें व सीलन की समस्या बनी हुई है, जिसे व्यापारी अपने खर्च पर सुधार रहे हैं। व्यापारियों ने नगर पालिका से आग्रह किया है कि इस लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान किया जाए और नाले के पुनर्निर्माण व टॉयलेट निर्माण जैसे जरूरी कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने त्वरित कार्रवाई के लिए सीएमओ गजानन नाफड़े का आभार भी व्यक्त किया है।

50 किलो गांजा पकड़ाया

कुम्हारी, देशबन्धु। जिले में कुम्हारी पुलिस की सक्रियता और कार्यवाही अच्छी चल रही इसी कड़ी मे पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कुम्हारी पुलिस की बड़ी कार्रवाई की गई । मुखबिर की सूचना पर गाड़ाघाट तिरहा रेलवे अंडर बिरज़ के पास मंगलवार की रात आरोपी चंदन धल उम्र 36 वर्ष पिता गोकुल धल निवासी जोजो पुरा जिला सम्बलपुर उड़ीसा जो गांजा बेचने के सिलसिले मे पकड़ा गया उसके पास से 55 किलो गांजा मादक पदार्थ पकड़ा जिसकी क़ीमत 11 लाख रूपये बताई गईं मामला पंजीबद्ध हुआ धारा 8/20 क़ायम हुआ । सराहनीय कार्य करने में थाना प्रभारी बृजेश पांडेए ए एस आई गोविंद सिंह, प्रधान आरक्षक सुरेंद्रअहिरवाल,आरक्षक राजेश कुमार, बलवंत लोधी, रमाकांत साहू, राम बहादुर यादव, आरती पटेरिया, सैनिक प्रीतम सिंह, चालक धर्मेंद्र सिंह की भूमिका रही ।

प्राकृतिक खेती से जुड़े किसानों को रागी मिलेट की बीज किट वितरित

नारायणगंज में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुआ वितरण

मण्डला,देशबन्धु। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय नारायणगंज में किसानों को समृद्ध और टिकाऊ खेती की दिशा में एक और कदम उठाया गया है। उपसंचालक कृषि श्री अश्विनी झरिया के नेतृत्व में नारायणगंज कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी परिसर में आयोजित बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान किसानों को रागी बीज की एक-एक किट वितरित की गई। प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों को प्राथमिकता देते हुए रागी बीज़ का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम जनपद अध्यक्ष श्री आशाराम भारतीया, कृषि स्थाई समिति के सभापति श्री धर्मसिंह वरकड़े एवं अन्य जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर किसानों को उन्नत बीजों के उपयोग, जैविक खेती और पोषक अनाजों के महत्व पर जानकारी भी दी गई।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती प्रीति लोहवंशी ने किसानों को रागी जैसे पोषणयुक्त अनाजों की खेती के लाभ बताए और उन्हें इसकी वैज्ञानिक विधियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि रागी के अनेक फायदे हैं, जिनमें मुख्य रूप से हड्डियों को मजबूत करना, वजन कम करने में मदद करना और पाचन में सुधार करना

शामिल है। इसके अतिरिक्त, यह मधुमेह रोगियों के लिए भी फायदेमंद है और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है।

रागी पोषक तत्वों से भरपूर मोटा अनाज- उप संचालक कृषि

उप संचालक कृषि श्री झारिया ने बताया कि कोदो-कुटकी की तरह रागी भी एक मोटा अनाज है। यह पोषक तत्वों से भरपूर है। रागी को विभिन्न प्रकार से आहार में शामिल किया जा सकता है, जैसे कि रोटी, चीला, डोसा या लड्डू बनाकर खाया जाता है। मिलेट्स को प्रमोट करने का उद्देश्य न सिर्फ उत्पादन बढ़ाना है, बल्कि किसानों को स्वास्थ्य और आय दोनों के लिहाज से सशक्त बनाना भी है। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय, नारायणगंज द्वारा की गई यह पहल क्षेत्र के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

सार-समाचार

एसबीआई फर्जी भर्ती मामले का मंडला पुलिस ने किया खुलासा

मंडला, देशबन्धु। भारतीय स्टेट बैंक मंडला शाखा में फर्जी तरीके से भर्ती के एक गंभीर मामले का मंडला पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दिनांक 12 मार्च 2024 को बैंक प्रबंधन द्वारा थाना कोतवाली मण्डला में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि ैठप् मंडला में जूनियर असोसिएट के पद पर कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने भर्ती प्रक्रिया में धोखाधड़ी कर नियुक्ति प्राप्त की है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि महिला कर्मचारी ने स्वयं परीक्षा नहीं दी थी, बल्कि उसके स्थान पर किसी अन्य महिला ने परीक्षा दी थी। इसी आधार पर अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल गिरफ्तारी की गई थी। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि उक्त महिला की भर्ती में उसके भाई नाहर सिंह मीना की सक्रिय भूमिका रही, जिसने उसके स्थान पर परीक्षा दिलवाने की व्यवस्था की थी। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बावजूद, पुलिस के समक्ष यह चुनौती बनी रही कि भर्ती परीक्षा में आखिरकार महिला अभ्यर्थी के स्थान पर वास्तविक रूप से कौन बैठा था। किन्तु पुलिस की लगातार तकनीकी विश्लेषण, दस्तावेजों की जाँच एवं अन्य साक्ष्यों के गहन अध्ययन के उपरांत यह पुष्टि हुई कि परीक्षा हरियाणा के फरीदाबाद निवासी एक महिला द्वारा दी गई थी।

थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा दिल्ली जाकर उक्त महिला से पुछताछ की गई पुछताछ में उक्त भर्ती में कैंडिडेट के स्थान पर प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के साथ साथ वेरिफिकेशन में भी शामिल होना स्वीकार किया गया। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर दिनांक 09 जुलाई 2025 को माननीय न्यायालय में पुलिस रिमांड हेतु प्रस्तुत किया गया है।

जिले में अब तक 810 मिमी वर्षा दर्ज, नैनपुर तहसील में सबसे अधिक 907.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड

मंडला, देशबन्धु। मंडला जिले में एक जून से 9 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 810 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 9 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 17.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील मंडला में 7.2 मिमी, नैनपुर में 14.6 मिमी, बिछिया में 22.5 मिमी, निवास में 28.2 मिमी, घुघरी में 22.2 मिमी एवं नारायणगंज में 9.7 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 जुलाई तक तहसील मंडला में 889 मिमी, नैनपुर में 907.6 मिमी, बिछिया में 758.1 मिमी, निवास में 806.7 मिमी, घुघरी में 679 मिमी एवं नारायणगंज में 826.7 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 358.9 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील मंडला में 489 मिमी, नैनपुर में 459.6 मिमी, बिछिया में 329.9 मिमी, निवास में 319.3 मिमी, घुघरी में 199.6 मिमी एवं नारायणगंज में 363.5 मिमी वर्षा आंकी गई थी।

एसडीएम ने किया नल-जल योजनाओं का निरीक्षण

मंडला, देशबन्धु। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिले में संचालित नल जल योजनाओं का मुआयना सभी संबंधित एसडीएम द्वारा किया जा रहा है। इस कड़ी में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मंडला श्रीमती सोनल सिडाम ने बुधवार को ग्राम पंचायत भंवरदा के ग्राम भंवरदा एवं बरबसपुर के ग्राम देवरीदादर को हस्तांतरित नल जल योजना का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने नल जल योजना अंतर्गत ट्यूबवेल, सम्पवेल, उच्च स्तरीय टंकी, पाईप लाईन, विद्युत कार्य एवं क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन की जाँच करते हुए ग्रामीणों से नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति पर बात की। उन्होंने ग्रामीणों को नियमित रूप से निर्धारित समय पर पेयजल प्रदाय करने एवं वर्षाकाल में समय-समय पर पेयजल स्त्रोतों में जर्मेक्स एवं ब्लीचिंग पाउडर डालकर क्लोरिनेशन कार्य करने हेतु पंप चालक एवं ग्राम पंचायत को निर्देशित किया। आंगनवाड़ी में बच्चों को मीनू के आधार पर गुणवत्तापूर्ण भोजन देने एवं सरपंच सचिव को सरकार द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के सुचारू रूप से क्रियान्वयन की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से सहायक यंत्री श्री विनेश उईके, उपयंत्री सुमन मरावी, जेजेएम पीएमयू से उमा गणेश लोधी, ग्राम सरपंच, सचिव एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

193 बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

मंडला, देशबन्धु। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बूथ लेवल ऑफिसर्स को प्रशिक्षित किए जाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के विधानसभा क्षेत्र 105-बिछिया (अजजा) के मतदान केन्द्र क्रमांक 41 से 81 तक कुल 40 बीएलओ के लिए बीआरसी भवन सभाकक्ष घुघरी में, विधानसभा क्षेत्र 106-निवास (अजजा) के मतदान केन्द्र क्रमांक 36 से 68 तक कुल 33 बीएलओ के लिए जनपद सभाकक्ष बीजाडांडी में, मतदान केन्द्र क्रमांक 69 से 118 तक कुल 50 बीएलओ के लिए जनपद सभाकक्ष नारायणगंज में, मतदान केन्द्र क्रमांक 119 से 146 तक कुल 28 बीएलओ के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) निवास के कार्यालय में तथा विधानसभा क्षेत्र 107-मण्डला के मतदान केन्द्र क्रमांक 279 से 320 तक 42 बीएलओ के लिए रानी दुर्गावती शास.स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला के ऑडीटोरियम में बीएलओ के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र के कुल 193 बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बीएलओ के कर्तव्य, फार्म 6, 7, 8 को भरना, मोबाईल ऐप से फार्मों को ऑनलाईन करना, डोर-टू-डोर सर्वे के दौरान बीएलओ के कर्तव्य, आचरण, केस स्टडी, ग्रुप स्टडी, गहन पुनरीक्षण आदि के संबंध में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण सत्र के बाद प्रशिक्षणार्थी बीएलओ का गूगल लिंक के माध्यम से टेस्ट भी लिया जा रहा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 16 जुलाई 2025 तक जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र के सभी 945 बीएलओ को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। उक्त प्रशिक्षण प्राप्त करना सभी बीएलओ के लिए अनिवार्य है। ऐसे बीएलओ जो अतिवृष्टि/बाढ़ या अन्य अपरिहार्य कारणों से अपने सत्र के निर्धारित प्रशिक्षणों में अभी तक सम्मिलित नहीं हो सके हैं, वे अपने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को अवगत कराकर आगामी सत्र के प्रशिक्षणों में सम्मिलित हो सकते हैं। यदि कोई बीएलओ जानबूझकर अनुपस्थित रहता है तो उसके विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

मवई में जिला स्तरीय टीम ने किया अवैध क्लीनिकों का औचक निरीक्षण

मंडला, देशबन्धु। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में ग्रामीणजनों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे अवैध क्लीनिकों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती द्वारा जिला स्तरीय टीम का गठन किया गया है, यह दल विकासखण्ड स्तरीय टीम के साथ समन्वय कर औचक निरीक्षण करेगा।

इसी कड़ी में मंगलवार को विकासखण्ड मवई में जिला स्तरीय टीम एवं विकासखण्ड स्तरीय टीम द्वारा 6 स्थानों पर औचक निरीक्षण कर डॉक्टरों को समझाईश दी गई कि वे अपनी विधि अनुसार ही इलाज करें, दूसरे विधि की दवाईयां न उपयोग करें। क्लीनिक संचालन हेतु शासन द्वारा निर्धारित योग्यता अवश्य हो, क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन हो तभी क्लीनिक का संचालन करें। मरीज आपके क्लीनिक में आते हैं और यदि मरीज गंभीर हैं, तो उन्हें तुरंत शासकीय स्वास्थ्य संस्था में भेजें। सभी 6 क्लीनिक का जिला स्तर से क्लीनिक संचालन हेतु अनुमति नहीं होने के कारण उन्हें नोटिस जारी कर अनुमति हेतु आवेदन करने के निर्देश दिए गए। अन्य विकासखण्डो में भी इस तरह का औचक निरीक्षण आगामी दिवसों में किया जाएगा। कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन कर अपने क्लीनिक का पंजीयन करा लें अन्यथा उनके विरूद्ध विधि सम्मत आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में ही कराएं उपचार - डॉ. मोहन्ती

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि बारिश के मौसम में प्राय: अत्यधिक सर्दी-जुकाम, उल्टी दस्त के मरीज आते हैं एवं वे मरीज अज्ञानता वश झोलाछाप डॉक्टरों के यहां अपना इलाज कराते हैं एवं जब बीमारी बिगड़ जाती है, तब वे मरीज शासकीय स्वास्थ्य संस्था में गंभीर स्थिति में आते हैं। उन मरीजों का प्रबंधन थोड़ा मुश्किल हो जाता है, कई बार मरीज की जान भी चली जाती है।

बरसात के दिनों में सर्पदंश से बचाव, इलाज व भ्रांतियों से बचें

नजदीकी अस्पताल में लेकर तत्काल जाएं

मंडला, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने एडवाइजरी जारी की है कि बरसात के दिनों में सर्पदंश के मामले अत्यधिक सामने आते हैं, सर्पदंश से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। सर्पदंश को अनदेखा न करें। व्यक्ति को किसी नजदीकी अस्पताल तुरन्त लेकर जायें।

झाड़-फूंक में न रहें। सांप के दांत के नीचे विष की थैली होती है। काटने पर विष की थैली से सीधे शरीर में खून के माध्यम से जहर फैल जाता है। सामान्यत: जहरीले सांपों के काटने पर दांतों के दो निशान अलग ही दिखाई देते हैं। गैर विषैले सांप के काटने पर दो से ज्यादा निशान हो सकते हैं, परन्तु ये निशान नहीं दिखता है। ये सोचना गलत होगा कि सांप ने नहीं काटा है, ज्यादातर सांप गैर विषैले भी होते हैं। सांप के काटने पर करीब-करीब 95 प्रतिशत मामलों में पहला लक्षण नींद का आना है। इसके साथ निगलने या सांस लेने में तकलीफ होती है।

आमतौर पर सांप काटने पर आधे घंटे बाद लक्षण दिखाई देने लगते हैं। सांप के काटने पर प्रभावित स्थान को न तो रस्सी से ना बांधें और न ही ब्लेड से काटें। पारम्परिक तरीकों का इस्तेमाल ना करें। मुंह से खून ना चूसें। ओझा, गुनिया के पास ना जायें। सांप काटे व्यक्ति को नदी में प्रवाहित ना करें। अंधविश्वास में ना पड़ें। यथासंभव सांप काटे व्यक्ति को दिलासा दिलायें। घटना के तथ्यों का पता लगायें। गीले कपड़े से डंक की जगह की चमड़ी को साफ करें जिससे लगा वहां पर लगा विष निकल जाये। सांप काटे व्यक्ति को करवट सुलायें, क्योंकि कई बार उल्टी भी होने लगती है, इसलिए करवट सुलाने से उल्टी श्वसनतंत्र में ना जाये। जहां पर सांप ने काटा है उस स्थान पर हल्के कपड़े से बांध देवें। सांप काटे व्यक्ति को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाने की व्यवस्था बनायें। सांप के जहर को कम करने के लिए अस्पताल में नि:शुल्क एंटी स्नेक इंजेक्शन लगाया जाता है, जो कि अस्पताल में उपलब्ध है एवं डॉक्टर द्वारा दी गई सलाह के अनुसार उचित उपचार करायें। अंधेरे, झाड़ियों एवं पानी भरे गड्ढ़ों में ना जायें और न ही बिलों में हाथ डालें। पैरों में चप्पल और जूते पहनकर चलें।

बरसात में होने वाली संक्रामक बीमारी से बचाव

मंडला, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने जन समुदाय के लिए एडवाजरी जारी की है कि बरसात के समय में जल जनित बीमारी होने की सम्भावना हो सकती है। बरसात में अक्सर उल्टी-दस्त, आव, पेचिस, पेटदर्द, डायरिया पीलिया, टायफाइड, बुखार, मलेरिया बीमारियाँ होती है। बीमारी से बचने के लिए सावधान रहें। इसके उपाय करें एवं स्वस्थ रहें।

संक्रामक बीमारी से बचने के लिए ताजा भोजन का सेवन करें, शुद्ध पानी पियें (उबला पानी, आरो का पानी, फिल्टर, हैण्ड पम्प का पानी पियें एवं छानकर) कुएं, नदी, नाला, पोखर, झील का पानी न पियें, पानी क्लोरीनेशन करके पानी पियें। सड़ीगली सब्जी, फल, बासा खाना न खायें, मांस का बरसात के दिनों में सेवन न करें, व्यक्तिगत स्वच्छता अपनायें, खाद्य पदार्थ को छूने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोयें, संक्रमित चीजों के छूने के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोयें, भोजन करने से पहले या शौच के बाद हाथों को अच्छी तरह धोयें और स्वच्छ शौचालय का उपयोग करें। डॉक्टर के परामर्श से उल्टी-दस्त के लिए टेबलेट फ्यूराजोलाडिन, मेट्रोजिन, डायक्लोमिन, मेट्रोक्लोरापामाइड, जिंक, ओआरएस का घोल, खीरा, दही, शिकंजी, चावल का पानी (माड) तथा तरल पदार्थ का अधिक मात्रा में सेवन करें। दस्त से संबंधित संक्रामक बीमारी होने पर नजदीकी अस्पताल जायें, ग्राम स्तर में आशा कार्यकर्ता डीपो होल्डर के माध्यम से जीवन रक्षक दवाईयां प्राप्त करें। बरसात के दिनों में वेक्टर जनित रोग जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, फायलेरिया (हाथी पांव) जैसे गंभीर बीमारी होती है। गंदा पानी, नाली गड्ढों में पानी एकत्रित होने से मच्छर के लार्वा से अंडे पनपते हैं। मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। जिसमें तेज बुखार, सिरदर्द, हाथ-पैरों में ऐठन व उल्टी होती है। डेंगू का लार्वा साफ पानी में पैदा होता है जैसे कूलर, टूटे हुए टायर, टंकी में एडीज मच्छर के लार्वा पनपते हैं। एडीज मच्छर के काटने से डेंगू होता है। इसका वायरस सीधे हड्डी पर अटैक करता है, जिसके कारण असहनीय दर्द होता है। शरीर में चकत्ते के साथ तेज बुखार होता है।

मलेरिया, डेंगू, चिकिनगुनिया, फायलेरिया से बचने हेतु घर के आसपास सफाई रखें। पानी इकट्ठा न होने देवें, गड्ढों को भरें, टायर, कबाड़ समान ढक्कर रखें, इनमें पानी इकट्ठा न होने दें। कूलर व टंकी के पानी को एक सप्ताह में खाली करें। नीम का धुआं करें, शाम के समय खिड़की, दरवाजा बंद रखें, रात्रि में सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, पूरी अस्तीन के कपड़े पहनें, मच्छर से बचाव के साधन जैसे- क्रीम, क्वाइल रिपेलेन्ट इत्यादि का उपयोग करें। बुखार आने पर नजदीकी अस्पताल जाकर खून की जांच करायें एवं ग्रामीण क्षेत्र में आशा कार्यकर्ता के पास जाकर खून की जांच करायें और दवायें प्राप्त करें। शुद्ध पेयजल की कमी एक आम समस्या है, बारिश में यह समस्या बढ़ जाती है।

एक पेड़ मां के नाम किया गया पौधरोपण

मंडला, देशबन्धु। घुघरी परियोजना अंतर्गत परियोजना अधिकारी सुश्री प्रेरणा मर्सकोले के मार्गदर्शन में बुधवार को विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में 'एक पेड़ माँ के नाम' पौधारोपण किया गया। आम, जामुन, आवला, मुनगा आदि पौधों को लगाया गया। इस दौरान ग्रामीणजन, पर्यवेक्षक, कार्यकर्ताएं, सहायिकाएं उपस्थित रही।

अतिवृष्टि, बाढ़ एवं सर्पदंश से हुई जनहानि के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करें : कमिश्नर

मंडला, देशबन्धु। कमिश्नर जबलपुर धनंजय सिंह भदौरिया ने संभाग के सभी जिला कलेक्टर्स की वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ एवं सर्पदंश से हुई जनहानि के प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करें। मानसून के दौरान होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए मेडिकल की टीमें गठित रखें। बैठक में राजस्व न्यायालय के प्रकरण, आरबीसी 6-4 के प्रकरणों की समीक्षा, सर्पदंश प्रकरण, लम्बित टीएल प्रकरण, मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025, ई-ऑफिस, आरसीएमएस के

प्रकरण, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, सीपी ग्राम, सीएम हेल्पलाइन, विभागीय जांच, अनुकम्पा नियुक्ति, पेंशन प्रकरण, मानक खाद-बीज एवं गुणवत्ता नियंत्रण, कृषि उत्पादन आयुक्त की बैठक की तैयारी, एसटीएससी छात्रवृत्ति, अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण प्रकरण, सीएम मानिट/ सीएस मानिट प्रकरणों के निराकरण, समग्र ई-केवायसी, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मनरेगा लेबर बजट सहित अन्य विषयों पर जिलावार समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

कमिश्नर भदौरिया ने विभागीय समीक्षा करते हुए कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, शिक्षा विभाग के प्रासंगिक विषयों पर जिलों की प्रगति की जानकारी लेते हुए विस्तार से चर्चा की।